जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ज्योतिर्विज्ञान अध्ययनशाला

सत्र : 2015–17 चार सेमेस्टर (द्वि–वर्षीय) पाठ्यक्रम

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

Course	*Paper #*	*Title of the Paper(s)*	*Credits*
Core	JT-101	भारतीय ज्योतिष का आधार	3
Core	JT-102	भारतीय ज्योतिष का इतिहास (उद्भव एवं विकास क्रम में)	3
Core	JT-103	जन्म पत्रिका साधन (भाग–एक)	3
Core	JT-104	ब्रह्माण्ड एवं खगोल विज्ञान	3
Core Lab.	JL-105	प्रायोगिक / लघु शोध प्रबन्ध	6
Seminar	JS-106	सेमिनार	1
Assignment	JA-107	असाइन्मेंट	1
Viva-Voce	JV-108	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

Course	*Paper #*	*Title of the Paper(s)*	*Credits*
Core	JT-201	जन्म पत्रिका साधन (भाग–दो)	3
Core	JT-202	सामान्य होरा फलित	3
Core	JT-203	होरा फलादेश सिद्धान्त	3
Core	JT-204	वास्तु विज्ञान	3
Core Lab.	JL-205	प्रायोगिक / लघु शोध प्रबन्ध	6
Seminar	JS-206	सेमिनार	1
Assignment	JA-207	असाइन्मेंट	1
Viva-Voce	JV-208	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

Course	*Paper #*	*Title of the Paper(s)*	*Credits*
Core	JT-301	सिद्धान्त ज्योतिर्गणित (गोलाध्याय)	3
Core	JT-302	संहिता विज्ञान	3
Elective	JT-303	प्रश्न एवं वर्षफल ज्योतिर्विज्ञान	3
Elective	JT-304	संस्कार एवं मुहूर्त प्रकरण	3
Elective	JT-305	आयुर्दाय, अध्यात्म व उपचार ज्योतिर्विज्ञान	3
Elective	JT-306	दकार्गल जल ज्ञान, वर्षा एवं मौसम ज्योतिर्विज्ञान	3
Core Lab.	JL-307	प्रायोगिक / लघु शोध प्रबन्ध	6
Seminar	JS-308	सेमिनार	1
Assignment	JA-309	असाइन्मेंट	1
Viva-Voce	JV-310	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

Course	*Paper #*	*Title of the Paper(s)*	*Credits*
Core	JT-401	फलित ज्योतिर्विज्ञान	3
Core	JT-402	चिकित्सा ज्योतिर्विज्ञान	3
Elective (Centric)	JT-403	मुहूर्त एवं विवाह प्रकरण	3
Elective (Centric)	JT-404	सामुद्रिक, स्वप्न एवं शकुन ज्योतिर्विज्ञान	3
Elective (Centric / Generic)	JT-405	रत्न विज्ञान (शास्त्र)	3
Elective (Centric)	JT-406	सिद्धान्त ज्योतिर्गणित (सूर्य सिद्धान्त)	3
Core Lab.	JL-407	प्रायोगिक / शोध–प्रबन्ध	6
Seminar	JS-408	सेमिनार	1
Assignment	JA-409	असाइन्मेंट	1
Viva-Voce	JV-410	व्यापक मौखिक परीक्षा	4

ज्योतिर्विज्ञान अध्ययनशाला सत्र : 2015–17

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

JT-101 प्रश्नपत्र प्रथम (Core) अधिकतम अंक : 100 (लिखित:60, आंतरिक:40)

भारतीय ज्योतिष का आधार

प्रथम इकाई

भारतीय ज्योतिष की शाखायें व उनका परिचय, बारह राशियाँ उनके प्रतीक चिन्ह व अध्यात्मिक स्वरूप, नौ ग्रह एवं उनके प्रतीक चिन्ह व अध्यात्मिक स्वरूप, सत्ताइस नक्षत्र क्रमवार एवं उनके स्वामी, विभिन्न परिभाषायें – लग्न, होरा, काल, ग्रह, अयन, सम्पात (शरद बसंत), सावन मास, सावन दिन, पृथ्वी की गतियाँ, बारह राशि नौ ग्रहों के पर्यायवाची नाम

द्वितीय इकाई

अक्षरों के आधार पर 12 राशियों का ज्ञान (नामाक्षर सारणी), पंचांग के प्रमुख 5 अंगों का परिचय व प्रत्येक अंग का वर्णन, तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण का गतिणीत व सामान्य ज्ञान, भारतीय व पश्चात्य पंचांग में अन्तर, वैदिक साहित्य में वर्ष, मास, अधिकमास, उत्तरायण, दक्षिणायन, पूर्णान्त, अमान्त का उल्लेख

तृतीय इकाई

समय की प्राचीन इकाई से लेकर वर्तमान इकाई तक समय ज्ञान, प्राण, पल, नाड़ी, विनाड़ी आदि समय की इकाईयां, I.S.T., L.M.T., G.M.T., U.T. की परिभाषायें एवं ज्ञान, भारतीय समय मानक रेखा से अन्य शहरों के अक्षांश देशान्तर का ज्ञान, भारतीय मानक (स्टैण्डर्ड) समय का ग्रीनविच से व अन्य देशों से अन्तर ज्ञान, बेलान्तर, दिनमान, रात्रिमान का परिचय, 24 Time Zone, नक्षत्र दिन (Sidereal Time), खगोल ज्योतिष गणित (अध्याय–5 समय)।

चतुर्थ इकाई

अन्य ज्योतिषीय पद्धतियां एवं उनका सामान्य परिचय : जैमिनी, नाड़ी ज्योतिष, देव केरलम, कृष्णमूर्ति, समुद्र शास्त्र, टैरोकार्ड, चीनी ज्योतिष, प्रश्न ज्योतिष – सामान्य सिद्धान्त, प्रश्न परिचय, चोरी के प्रश्न, ताजिक ज्योतिष – ग्रह दृष्टि, भाव विचार, आदि।

पंचम इकाई

ज्योतिष का अन्य शास्त्रों से संबंध – भौतिक, गणित, चिकित्सा, स्वर, हस्त सामुद्रिक, ज्योतिष एक विज्ञान है, इसकी सिद्धता – विभिन्न पहलुओं से ज्योतिष का मनुष्य चेतना विकास में योगदान बाह्य एवं आन्तरिक व्यक्तित्व का परिचय, विकास क्रम में विभिन्न वेधशालाओं का परिचय।

संबंधित ग्रंथ :–

1. बी.एल. ठाकुर प्रारम्भिक ज्योतिष
2. बृहत् पाराशर होरा शास्त्र (प्रथम खण्ड)
3. भारतीय ज्योतिष–नेमीचन्द शास्त्री
4. भारतीय ज्योतिष–शिवनाथ झारखण्डी
5. खगोल एवं ज्योतिष गणित–दीपक कपूर
6. आध्यात्म ज्योतिष–ह.न.काटवे।

ज्योतिर्विज्ञान अध्ययनशाला सत्र : 2015–17

एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

JT-102 प्रश्नपत्र द्वितीय (Core) अधिकतम अंक : 100 (लिखितः60, आंतरिकः40)

भारतीय ज्योतिष का इतिहास (उद्भव एवं विकास क्रम में)

प्रथम इकाई

भारतीय ज्योतिष की विस्तृत परिभाषा एवं इतिहास, भारतीय ज्योतिष की उपयोगिता व उसका महत्व, भारतीय ज्योतिष का काल वर्गीकरण : वैदिककाल – वर्ष सायन चंद्र सौर मास, अयन, ऋतु, तिथि, वार, नक्षत्र, ग्रह

द्वितीय इकाई

ज्योतिष में सिद्धांत संहिता व होरा के ग्रंथकारों का परिचय – भास्कराचार्य, आर्यभट्ट, वराह मिहिर, ब्रह्मगुप्त, भट्टोत्पल, गणेश दैवज्ञ, मकरन्द, कमलाकर भट्ट, पाइथागोरस, टालमी, गैलीलियो कैपलर कॉपर निकास

तृतीय इकाई

ज्योतिष के सिद्धान्त ग्रंथों का संक्षिप्त परिचय, सूर्य सिद्धांत – 14 अधिकारों के नाम व संक्षिप्त परिचय, सूर्य सिद्धांत – काल परिचय, काल भेद से भगण परिभाषा तक

चतुर्थ इकाई

विभिन्न भारतीय पंचांङ्गों का परिचय, विश्व के विभिन्न कलेण्डरों का आरम्भ काल व परिचय, विक्रम, शक, राष्ट्रीय, कलि, सृष्टि, ब्रह्म सम्वत् आदि का परिचय, ईसवी सन्, हिजरी आदि सन् का परिचय

पंचम इकाई

प्रमुख व्रत, पर्व, उत्सव आदि का ज्ञान–मकर संक्रांति, बसन्त पंचमी, महाशिवरात्रि, दीपावली, होली, रामनवमी, सोलह संस्कारों का वर्णन व जीवन में उनकी उपयोगिता, सूर्य की 12 संक्रांतियों एवं उनका पीरचय एवं पूर्णकाल समय।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय ज्योतिष का इतिहास–नेमीचन्द शास्त्री
2. सूर्य सिद्धांत
3. विभिन्न पंचांगों का संग्रह–विश्वविजय दिवाकर, निर्णय सागर, मार्तण्ड्य।